5. देशाटन

संकेत बिंदु— • देशाटन का अर्थ • महत्व • उद्देश्य • लाभ-हानि

मानव नए-नए स्थानों और लोगों को जानने-देखने के लिए सदैव उत्सुक रहा है। इसी उत्सुकता की पूर्ति के लिए वह देशाटन करता है। देशाटन का अर्थ है—देश-विदेश में घूमना। देशाटन के महत्व को हर युग, हर काल तथा हर देश में स्वीकार किया जाता रहा है। भारतवर्ष में तीर्थ यात्रा के रूप में देशाटन की महिमा पुराणों में भी गाई गई है। देशाटन से मनुष्य व्यवहारकुशल, स्वावलंबी और धैर्यवान हो जाता है। विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलने के बाद उसके व्यक्तित्व में निखार आता है। देशाटन राष्ट्रीय एकता के विकास में अहम भूमिका निभाता है। इससे ही यह अनुभव होता है कि विभिन्न प्रांतों में रहनेवाले, विभिन्न भाषाओं को बोलनेवाले, विभिन्न धर्मों में विश्वास रखनेवाले व्यक्तियों में कुछ असमानताएँ होते हुए भी कितनी समानता है। देशाटन मनोरंजन का भी साधन है। विद्यार्थियों के लिए देशाटन का बहुत महत्व है। इतिहास और भूगोल की पुस्तकों में जिन स्थलों का वर्णन छात्रों को पढ़ाया जाता है जब वे उन स्थलों की यात्रा कर लेते हैं तो उनका ज्ञान दृढ़ हो जाता है। निश्चित रूप से कहा जा सकता है—देशाटन से अनेक लाभ हैं।